

मध्य प्रदेश वषिक्त अपशषिट का नपिटान करेगा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने [भोपाल गैस त्रासदी के 40 वर्ष पशचात्](#), भोपाल में यूनयिन कार्बाइड इंडिया लमिटेड (UCIL) से नकिले 337 टन [ज़हरीले अपशषिट](#) का नपिटान शुरु कर दया है। वे इस अपशषिट को धार ज़लि के [पीथमपुर ले जाने की योजना बना रहे हैं](#)।

मुख्य बदि

- पर्यवेकषति पैकगि और सटैकगि:
 - फ़ैक्टरी परशासन [केंद्रीय परदूषण नयितरण बोरड \(CPCB\)](#) और मध्य प्रदेश परदूषण नयितरण बोरड (MPPCB) की देख-रेख में अपशषिट की पैकगि और सटैकगि का काम कर रहा है।
 - पैकगि और लोडगि परक़रया में [वशेष रूप से परशकषित कर्मचारी शामिल होते हैं तथा आवश्यक सावधानयाँ बरतते हैं](#)।
 - अपशषिट के लये बारह वशेष रूप से डज़ाइन कये गए वायुरोधी कंटेनरों का उपयोग कया जा रहा है।
- लघु श्रमक शफिट:
 - [वषिक्त अपशषिट के संपर्क को न्यूनतम करने के लये श्रमक नयिमति 8-9 घंटे की शफिट के स्थान पर 30-45 मनिट की शफिट में काम कर रहे हैं](#)।
 - भोपाल से पीथमपुर तक [अपशषिट के सुरकषति परविहन के लये 250 कलिोमीटर का \[गरीन कॉरडोर\]\(#\) तैयार कया गया है](#)।
- परीकषण और सुरकषा आशवासन:
 - [वर्ष 2015 में, वैजजानक देखरेख में पीथमपुर में 10 टन अपशषिट को जला दया गया था, जसिके परगाम \[उच्च न्यायालय\]\(#\) को परस्तुत कये गये थे, जसिमें कोई हानकिकारक परभाव नहीं दखियाया गया था](#)।
 - [सुरकषा उपायों में संदूषण को रोकने के लये लैंडफलि स्थलों पर दो-परत वाली झलिली और चार-परत वाली वायु नसिपंदन परणाली लगाना शामिल है](#)।

भोपाल गैस त्रासदी

- भोपाल गैस त्रासदी 2-3 दसिंबर 1984 को हुई थी, जब [मथिाइल आइसोसाइनेट गैस](#) लीक हुई थी, जसिमें [5,479 लोग मारे गए थे](#)।
- [पाँच लाख से अधिक लोगों को दीर्घकालक स्वास्थ्य परभाव झेलना पडा](#) तथा इस त्रासदी से संबंघति अनेक मामले अभी भी न्यायालयों में लंबति हैं।

IMPACT OF GAS EXPOSURE

Key Demands

➤ **Younger population** born after gas leak equally vulnerable



➤ **Those between 31 and 60** (which includes those born after the gas leak of 1984) account for **80%** of the suffering



59% Gas affected women suffered illnesses



Those under 40 years of age and exposed to gas leak, were diagnosed with twice as many illness as the non-gas leak exposed

● Illness includes **cardiac, cancer, respiratory, kidney, TB, typhoid** and among others



● Twice as many 'gas affected' are dying of **cancers, respiratory illnesses** -- compared with normal population



● **Kidney failure rate** is 3 times, compared with non-gas affected



➤ To set up a system of registration of deaths of people with direct or indirect exposure

➤ **Over 5,000 gas victims are cancer patients.** Review of the work of the Population Based Cancer Registry in Bhopal that claims that there is no association between gas exposure and cancer

➤ Review the system of health-care in place for gas victims

➤ Urgently review drug utilization in the care of gas exposed persons to **avoid kidney damage**



//

